दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 186
मुरादाबाद
(Wednesday)
29 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी पर्वः सीएम योगी बोले- सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है। वह गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि , ... गुरबाणी में लिखा है कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है। यह हमारा सौभाग्य है कि गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें गुरु महाराज और गुरु साहिबान के पावन चरणों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। इस अवसर पर मैं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने हमें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया। गुरु चरण यात्रा के माध्यम से इस पावन अवसर से जुड़ने का सौभाग्य भी हमें प्राप्त हुआ है। भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। यहियागंज गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैमुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है मुख्यमंत्री योगी ने सिख समुदाय के प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस गुरु चरण यात्रा को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यूपी कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परबिंदर सिंह के अलावा गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी व कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

महाकुंभ की तर्ज पर हो जंबूरी में सुरक्षा और सुविधा, सीएम ने 23 से 29 नवंबर तक होने वाले आयोजन की समीक्षा की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में होने वाले आयोजन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अफसरों को दिशा-निर्देश दिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत स्काउट एंड गाइड के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन (जंबूरी) की तैयारियों की समीक्षा की। 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में इसका आयोजन होगा। यह अवसर युवा शक्ति के अनुशासन, राष्ट्र सेवा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त रूप में प्रस्तुत करेगा। सीएम ने निर्देश दिया कि यह आयोजन प्रदेश की सुरक्षा और आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाएं पूरे समन्वय के साथ करें। इस आयोजन की थीम आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एवं सस्टेनेबल भारत हर स्तर पर दिखना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश को अपनी परंपराओं, संस्कृति और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एक्सपो मैदान में प्रदर्शनी स्टॉल में राज्यवार प्रदर्शनियों के साथ ग्लोबल विलेज, 75 वर्ष की स्काउटिंग प्रदर्शनी, एयर अग्निवीर, एक जिला-एक उत्पाद, सोलर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्मी प्रदर्शनियां भी लगाई जाएं। यह आयोजन युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर बनेगा। इस उद्देश्य से आईटी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब की स्थापना की जा रही है। जहां डिजिटल लर्निंग, लीडरशिप और इनोवेशन से जुड़े कार्यक्रम होंगे। यह पहल डिजिटल इंडिया और स्मार्ट स्काउटिंग की दिशा में नया अध्याय सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जंबूरी पूरी तरह ग्रीन और सस्टेनेबल हो। बैठक में बताया गया कि जंबूरी में दो दिन ड्रोन शो भी होगा। 30 हजार प्रतिभागी होंगे शामिल- अधिकारियों ने बताया कि आयोजन में विभिन्न राज्यों से 28 से 29 हजार स्काउट एवं गाइड, विदेशों से करीब दो हजार प्रतिभागी। 5000 स्वयंसेवक व स्टाफ सदस्य शामिल होंगे। 300 एकड़ क्षेत्रफल के आयोजन स्थल में 3500 टेंट, 2200 शौचालय, 1700 बाथरूम, 100 रसोई और 4 सेंट्रल किचन की व्यवस्था की जा रही है। यहां 100 बेड का अस्पताल, 16 डिस्पेंसरी, पुलिस स्टेशन, पुलिस पोस्ट, नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

परेश रावल अभिनीत फिल्म द ताज स्टोरी पर प्रतिबंध की मांग, भाजपा नेता ने किया ये दावा

भाजपा नेता ने परेश रावल अभिनीत फिल्म द ताज स्टोरी पर प्रतिबंध की मांग की है। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह फिल्म उनके द्वारा हाई कोर्ट में दायर याचिका के विषय पर आधारित है। रामनगरी अयोध्या के भाजपा नेता रजनीश सिंह ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी में शिकायत दर्ज करके परेश रावल अभिनीत आगामी फिल्म द ताज स्टोरी% पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका दावा है कि यह फिल्म उनके द्वारा हाई कोर्ट में दायर याचिका के विषय पर आधारित है। भाजपा प्रवक्ता रजनीश सिंह ने अक्टूबर 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ में एक याचिका दायर की थी। इसमें ताजमहल के अंदर बंद 22 कमरों को खोलने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था यह स्मारक मूल रूप से एक मंदिर था।17वीं सदी के इस स्मारक पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की एक समिति गठित करने की मांग की थी। लेकिन, इस याचिका को हाई कोर्ट ने मई 2022 में खारिज कर दिया था। अब सोमवार को उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को शिकायत दी। इसमें रजनीश सिंह ने कहा कि %मैंने ताजमहल के 22 बंद कमरों को खोलने के लिए एक जनहित याचिका दायर की थी। मेरा उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक तथ्यों का सत्यापन करना था।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताकत का विस्तार करेगा भारत, नौसेना प्रमुख बोले- 50 देश जोड़ने का लक्ष्यं

दिल्ली में आयोजित इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि भारत 2028 तक 50 देशों के साथ साझेदारी क्षमता विकसित करेगा। उन्होंने बताया कि इससे 'निशार मित्रा' प्रणाली के जरिए सूचनाएं भी साझा की जाएंगी। दिल्ली में आयोजित इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने भारत की समुद्री रणनीति और भविष्य की दिशा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका केवल एक समुद्री शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि साझेदारी, सहयोग और स्थिरता के केंद्र के रूप में विकसित हो रही है। एडमिरल त्रिपाठी ने बताया कि भारत 2028 तक लगभग 50 इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स ऑफिसर्स को जोड़ने की क्षमता विकसित करेगा। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि भारत का उद्देश्य हर क्षेत्र या देश की विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाना है। उन्होंने कहा कि क्षमता निर्माण का मतलब सिर्फ जहाजों, बंदरगाहों या औद्योगिक ढांचे से नहीं है, बल्कि यह किसी राष्ट्र की समुद्र में उपस्थिति बनाए रखने की योग्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों, एयरफ्रेम्स, लॉजिस्टिक चेन और औद्योगिक पारिस्थितिक तंत्र के जरिए भारत न केवल अपनी, बल्कि क्षेत्रीय साझेदारों की भी क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा।सूचना साझेदारी को नई दिशा नौसेना प्रमुख ने कहा कि इंटरऑपरेबल कम्युनिकेशन और सूचना साझा करने की प्रणाली क्षमता निर्माण का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना ने 'निशार मित्रा' नामक टर्मिनल तैयार किया है, जिसके माध्यम से मित्र देशों के साथ सूचनाओं और खुफिया जानकारियों का आदान-प्रदान किया जा सकेगा। यह प्रणाली हिंद-प्रशांत में सामूहिक सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करेगी।नई सोच की आवश्यकताएडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि असली ताकत केवल साधनों में नहीं, बल्कि उनके उपयोग के तरीके में होती है। उन्होंने कहा कि हमें प्लेटफॉर्म-केन्द्रित सोच से निकलकर उद्देश्य-केन्द्रित सोच अपनानी होगी। इसके लिए आधुनिक डॉक्ट्रिन, लचीले प्रशिक्षण और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी की जरूरत है, ताकि क्षेत्रीय नौसेनाएं संकट के समय एक इकाई की तरह काम कर सकें।भारतीय नौसेना की पहल और उपलब्धि एडमिरल त्रिपाठी ने बताया कि भारतीय नौसेना ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इस वर्ष अप्रैल-मई में भारतीय नौसेना के जहाज 'सागर' ने दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में एक महीने की तैनाती पूरी की। इस मिशन में नौ हिंद महासागर देशों के 44 प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम शामिल थी। उन्होंने कहा कि यह अभियान क्षेत्रीय सहयोग और साझा प्रशिक्षण का एक ऐतिहासिक उदाहरण है।

शाह पर टिप्पणी के बाद शिंदे का उद्धव पर पलटवार, कहा- जो दूसरों को बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर करारा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा बताया। यह प्रतिक्रिया ठाकरे के अमित शाह को 'एनाकोंडा' कहने के बाद आई। शिंदे ने आरोप लगाया कि उद्धव गुट ने बीएमसी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया और कोविड काल तक में घोटाले हुए। महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी ने एक बार फिर गरमी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा। यह प्रतिक्रिया उद्धव ठाकरे के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को निगलने वाला एनाकोंडा कहा था। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि जो दूसरों को एनाकोंडा बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा हैं। ये लोग मुंबई की कोषागार पर लिपटे हुए हैं, और इनका पेट कभी नहीं भरता। शिंदे ने आगे कहा कि ठाकरे गुट ने मुंबई को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी की कोषागार से लेकर कोविड काल की खिचड़ी तक में घोटाले हुए हैं।भ्रष्टाचार के आरोप और उदाहरण- शिंदे ने कहा कि उन्होंने मुंबई, उसकी कोषागार, प्लॉट्स, मरीजों की खिचड़ी, शवों के बैग और यहां तक कि मिठी नदी की गाद तक को निगल लिया। इनका भ्रष्टाचार की भूख कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में जब शिवसेना (अविभाजित) 1997 से 2022 तक लगातार 25 साल बीएमसी पर काबिज रही, तब भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। शिंदे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) को अब जवाब देना चाहिए कि मुंबई के विकास के नाम पर उन्होंने आखिर किया क्या।उद्धव के बयान पर भाजपा का भी वार- ठाकरे द्वारा अमित शाह को 'एनाकोंडा' कहे जाने के बाद भाजपा ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे अपने चुनावी हार से निराश हैं और इसीलिए अनर्गल बयान दे रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उद्धव जी को शीशा देखकर खुद को देखना चाहिए, क्योंकि वे खुद वो एनाकोंडा हैं जो दूसरों के परिश्रम पर फुफकारते हैं।राजनीतिक पृष्ठभूमि और संकेत- राज्य की राजनीति में शिंदे और ठाकरे के बीच जुबानी जंग कोई नई बात नहीं है। 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक कटुता लगातार बढ़ी है। ठाकरे गुट अब महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, जबकि शिंदे सरकार भाजपा के साथ सत्ता में है।शिंदे के इस बयान से साफ संकेत मिलते हैं कि मुंबई महानगरपालिका के आगामी चुनाव से पहले दोनों गुटों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होगा।

संपादकीय Editorial

Pakistan Warned: FATF Takes Strict Stance on Funding Terrorist Networks

The Financial Action Task Force (FATF) has warned Pakistan that being removed from the grey list does not mean it is free to promote terrorist activities. Pakistan faces allegations of providing financial support to terrorist organizations. Organizations like Jaish-e-Mohammed are providing online terror training to women. India must increase its diplomatic efforts and inform the international community about Pakistan's methods of promoting terrorism. FATF's strong warning to Pakistan: Continued monitoring of terror financing; India must exercise diplomatic vigilance. It is good that the Financial Action Task Force (FATF), the international organization that monitors and prevents money laundering and the financing of terrorist networks, has warned Pakistan that its removal from the grey list does not mean it has been given a free hand to do everything that led to its inclusion on the list in the first place. Pakistan, which was included in the grey list for allegedly providing financial assistance to terrorist organizations, was removed from the list in 2022. Shortly after, it resumed its old ways. It not only started nurturing terrorist organizations again but also became active in restoring their financial sources. In recent times, there have been several reports indicating that various terrorist organizations have resurfaced in Pakistan. Some are openly holding rallies to collect funds, while others are recruiting terrorists. The terrorist group Jaish-e-Mohammed has started providing online terror training to women, aiming to raise millions of rupees through this. Another terrorist group, Lashkar-e-Taiba, has also started training terrorists anew. These two terrorist groups are particularly dangerous for India. There are also reports of terrorist organizations active in Pakistan raising funds through cryptocurrencies, and the FATF must also be aware of how Pakistan defended the terrorist group TRF, responsible for the Pahalgam attack, in the United Nations Security Council. The TRF is merely a front group for Lashkar-e-Taiba. India should not be complacent just because the FATF has warned Pakistan and stated that its system is also monitoring countries that have been removed from its grey list.

The FATF's Asia Pacific Group needs to ensure that Pakistan continues to work towards preventing terror financing. Since this group includes China, which is sympathetic to Pakistan, India will have to increase its diplomatic vigilance and activity. It will also have to apprise the members of this group, as well as international financial institutions, about Pakistan's methods of supporting terrorism. Pakistan was able to receive financial assistance from institutions like the IMF and the Asian Development Bank precisely because it was removed from the FATF's grey list. India must also be wary of the US's stance, as President Trump currently remains a well-wisher of Pakistan, a state that harbors terrorists.

Rahul's Politics: Why the Delay in Campaigning?

In this context, it cannot be ignored that the Congress unnecessarily delayed declaring Tejashwi Yadav as the Chief Ministerial candidate. It did so even though it is entirely dependent on the Rashtriya Janata Dal for its political future in Bihar. It is difficult to understand why, despite this dependence, it did not decide to declare Tejashwi Yadav as the Chief Ministerial candidate in a timely manner? Rahul Gandhi's delay in campaigning in the Bihar elections: Frustration among Congress leaders over Rahul's absence. When the activities of the leaders of major parties and what they are saying in their election rallies are being discussed during the election campaign, the question is being raised within the Grand Alliance in Bihar, and especially within its major component, the Congress, as to why Rahul Gandhi is delaying his arrival for campaigning? Rahul Gandhi had started campaigning vigorously in Bihar under the name of the Voter Rights Yatra. His demeanor suggested that he was taking the Bihar assembly elections seriously and was preparing to rebuild the party in a state that has been one of its strongholds, but for some unknown reason, he has not visited Bihar for a long time. His last visit to Bihar was about two months ago. In the meantime, several prominent BJP leaders, including the Prime Minister, addressed BJP election rallies in Bihar, and Tejashwi Yadav also showed his activism, but for some unknown reasons, Rahul Gandhi did not consider it necessary to go to Bihar. Instead of going to Bihar, he considered it necessary to travel to countries like Colombia and Peru. He has returned from there, but still hasn't gone to Bihar. Only he can explain why he did not consider it necessary to go to Bihar even after returning from his foreign trip, but if Congress leaders themselves are expressing their disappointment over his absence, then Rahul Gandhi is responsible for it. It is often said that politics is not a subject of interest for Rahul Gandhi because of this kind of attitude. This is not the first time that Rahul Gandhi has shown indifference towards the party's election campaign. He has done the same in some other states as well. Similarly, he also abandons the issues that he initially champions. At a time when the Congress party is struggling to regain its lost support base, Rahul Gandhi's attitude is proving detrimental to the party. He is not only dimming the Congress's prospects but also sending a message that all is not well within the grand alliance. In this context, it cannot be ignored that the Congress unnecessarily delayed declaring Tejashwi Yadav as the chief ministerial candidate. It did so even though it is entirely dependent on the Rashtriya Janata Dal for its political future in Bihar. It is difficult to understand why, despite this dependence, it did not decide to declare Tejashwi Yadav as the chief ministerial candidate in a timely manner.

Bihar Special: No Matter Who Wins the Election, Nitish Kumar is Indispensable...

Nitish Kumar has consistently enjoyed the support of the EBC (Extremely Backward Classes) in the state. Now, the opposition RJD-led Grand Alliance has also played the EBC card, declaring Mukesh Sahani of the Mallah caste as their Deputy Chief Minister candidate. As the Bihar assembly election campaign intensifies, the political equations are increasingly revolving around the EBCs and populist promises. Bihar is arguably the worst example of caste-based politics in the country. While discussions may begin with issues like development, employment, education, health, inflation, and social discrimination, they inevitably end up focusing on caste. This is the case again this time. All parties have distributed tickets based on caste. Moreover, Nitish Kumar has been a crucial factor in the state's politics for the past 20 years. Regardless of which party forms the government, he remains the Chief Minister. Although the Grand Alliance has declared RJD leader Tejashwi Yadav as its CM candidate, challenging the NDA to declare its own leader, it is crystal clear that no matter which alliance wins, Nitish will be the Chief Minister. Even the BJP, which until recently was dreaming of installing a BJP face as CM in place of Nitish through the back door, has understood this. The reason is simple: Nitish will remain with whichever alliance makes him the Chief Minister, and it is almost impossible for any alliance to form a government without Nitish's party. Furthermore, Nitish has consistently enjoyed the support of the EBCs in the state. Now, the opposition RJD-led Grand Alliance has also played the EBC card, declaring Mukesh Sahani of the Mallah caste as their Deputy Chief Minister candidate. In response, the BJP and the NDA have started invoking the name of Karpoori Thakur, a prominent EBC leader from Bihar. This suggests that while the party affiliations of other castes in Bihar are more or less fixed, the alliance that manages to attract the most EBC votes will be successful in forming the government. It is noteworthy that the Grand Alliance has declared Mukesh Sahani from the EBC community as the Deputy CM candidate as a counter to Nitish's EBC politics. The BJP lacks a prominent EBC face. However, assuming that all EBC castes will side with the Grand Alliance because of Mukesh Sahani is simply overly optimistic. It's worth noting that there are a total of 146 OBC castes in Bihar. Of these, 113 belong to the Extremely Backward Classes (EBC), including 23 Muslim castes. This constitutes about 60 percent of the total OBC population in the state. This highlights the importance of this vote bank. For many years, this vote bank has largely remained with Nitish Kumar, but his frequent switching of alliances has caused some erosion. Even so, the possibility of this vote bank completely abandoning Nitish is low. Nitish himself belongs to the Kurmi community, an OBC agricultural caste. But Nitish has also forged a "Love-Kush" alliance with the Kushwaha caste. Secondly, another leader from the same caste, Upendra Kushwaha, is also with the NDA this time. Looking at the caste equations of the votes, the NDA appears to be in a stronger position. Furthermore, this time, Nitish's JD(U) and the BJP are contesting an equal number of seats in the NDA. Also, Chirag Paswan's party, which severely damaged Nitish's party in the last assembly elections, is now part of the NDA. Therefore, the JD(U)'s strike rate is expected to be better this time. In such a scenario, no alliance will be able to form a government without Nitish. On the other hand, the Congress is the second largest party after the RJD in the Grand Alliance. The way it seems to be surrendering to Tejashwi in every matter, and the way party leader Rahul Gandhi distanced himself from Bihar after creating a stir against alleged vote rigging last month, suggests that the Congress doesn't have high hopes for Bihar. Although Rahul will campaign. Incidentally, Rahul Gandhi recently released a special manifesto stating that if they come to power, they will increase the EBC reservation in local bodies from 20 to 30 percent. Some people still suspect that Nitish might switch alliances again after the elections, but even then, he will remain the Chief Minister; the agreement will be based on this condition. However, Nitish has been consistently saying for the past year that he will not go "here and there" anymore. However, his political ambitions remain volatile. Even if the NDA returns to power in the elections, making Nitish the Chief Minister will be a necessity, as the JD(U) is unlikely to agree to anyone else's name. After Tejashwi Yadav was declared the Chief Ministerial candidate by the Mahagathbandhan (Grand Alliance) and pressure was put on the NDA to also declare its candidate, the BJP has been compelled to defend Nitish. Party spokesperson Ravi Shankar Prasad recently stated that 'there is no vacancy for the Chief Minister's post in the NDA.' This directly implies that if the NDA wins, Nitish will be the Chief Minister, even though many questions have been raised about his physical and mental health. Others may have doubts about Nitish's fitness, but Nitish is making his political moves very carefully and will continue to do so. Therefore, sidelining him is a difficult task. There is intense speculation in political circles that after an NDA victory in the elections, Nitish will initially remain the Chief Minister. But later, the BJP will want to somehow remove him and install its own Chief Minister. But this too is a difficult proposition. Firstly, why would Nitish relinquish his position? Secondly, even if he were somehow to agree, where and how would the BJP appropriately rehabilitate him? There is no top position vacant in the central government. Nitish is unlikely to be willing to go into political exile by becoming a governor, because... Nitish Kumar is fully aware of his standing in Bihar politics. Leaving aside his occasional awkward behavior, Nitish is one hundred percent politically astute and active. Even if he were somehow removed from the Chief Minister's post, what would be the alternative? In this sense, the 'Nitish style of politics' is unique. He neither shies away from anyone nor is he beholden to anyone. Ideological commitments are meaningless to him. Manipulative politics on his own terms is the fundamental principle of Nitish's theory. His principle is that if you have power, you can do anything. The chair ruthlessly crushes the dilemma of what is legitimate and illegitimate. Moreover, Nitish has not allowed any alternative to emerge, not only within his own party but also in his alliance partners. There was talk of his only son, Nishant, contesting elections, but Nitish will not make such a mistake. As soon as the election campaign began, he launched his first attack on Lalu's dynastic politics. It is clear that Nitish will only leave the political landscape of Bihar when he himself wants to, or if God wills it. Otherwise, Nitish is and will remain indispensable in Bihar politics. Because Nitish plays his political cards with great humility and a cool head, outmaneuvering his opponents. Compared to him, Tejashwi is still a 'child'. Although Tejashwi has made sensational but impractical announcements like giving a government job to one person from every family in Bihar and tripling the honorarium of Jeevika Didis (women self-help group members), he has taken a big gamble. Some young people might be influenced by this. It is impractical because, according to experts, the amount required to fulfill the promises Tejashwi has made alone would exceed the sum of two annual budgets of the Bihar government.

वर्जिनिटी सर्टिफिकेट केस: पीड़िता और पिता के बयान दर्ज, पांच सौ लेकर जबरन टीसी फार्म भरवाया

मुरादाबाद के मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्रा से कौमार्य सर्टिफिकेट (वर्जिनिटी सर्टिफिकेट) मांगने के आरोप मामले में छात्रा और उसके पिता ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराए हैं। शिकायत में प्रधानाचार्या और एडमिशन प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस विदेशी फंडिंग की भी जांच कर रही है। मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात गर्ल्स इंटर कॉलेज पर कौमार्य सर्टिफिकेट मांगने का आरोप लगाने वाली छात्रा और उसके पिता ने सोमवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष कलमबंद बयान दर्ज कराए हैं। इस मामले में पाकबड़ा पुलिस ने भी घटना के संबंध में धारा 180 के तहत पिता और बेटी के बयान लिए हैं। चंडीगढ़ में टेलर का काम करने वाले मूल रूप से झारखंड निवासी व्यक्ति ने बीते शुक्रवार को पाकबड़ा थाने में केस दर्ज कराया था। जिसमें दिल्ली रोड लोधीपुर सीएनजी पंप के पास मिलक पल्लूपुरा स्थित एआईए

एजुकेशनल सोसाइटी की ओर से संचालित मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रहनुमा, एडमिशन सेल इंचार्ज मोहम्मद शाहजहां और अन्य स्टाफ को आरोपी बनाया था। शिकायतकर्ता ने बताया है कि उसने अपनी 13 वर्षीय बेटी का 2024 में मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात गर्ल्स इंटर कॉलेज में कक्षा सात में दाखिला कराया था। बेटी के सातवीं कक्षा पास करने पर पिता 16 जुलाई 2025 को उसको लेकर चंडीगढ़ गया था। बाद में 21 अगस्त 2025 को जब उसकी पत्नी बेटी को लेकर मदरसे में दाखिला कराने पहुंची तो प्रधानाचार्या रहनुमा और एडमिशन सेल प्रभारी मोहम्मद शाहजहां ने पहले कौमार्य सर्टिफिकेट की मांग की। बोला कि पहले सर्टिफिकेट लाओ तभी कॉलेज में प्रवेश मिलेगा।पांच सौ रुपये लेकर जबरन टीसी फॉर्म भरवाने का आरोप- आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने 500 रुपये लेकर जबरन टीसी का आवेदन फार्म भी भरवा लिया लेकिन टीसी नहीं दी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद बिहार के पूर्णिया जिले के रानी थाना क्षेत्र के गांव पुरखिया निवासी आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज मोहम्मद शाहजहां को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने छात्रा व उसके पिता को बयान दर्ज कराने के लिए थाने पर बुलाया था।इस बारे में थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि सोमवार को छात्रा अपने पिता के साथ आई। विवेचक ने बीएनएसएस की धारा 180 के तहत छात्रा और उसके पिता का बयान दर्ज किया। बयान में छात्रा और उसके पिता ने एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि की है। इसी प्रकार मजिस्ट्रेट के समक्ष दोनों ने कमलबंद बयान दर्ज कराए हैं। इसी आधार पर पुलिस साक्ष्य एकत्रित कर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार करेगी।मदरसे को विदेशी फंडिंग की जांच के लिए कमेटी गठित कौमार्य सर्टिफिकेट मांगकर विवादों से घिरे मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात के मामले में विदेशी फंडिंग की जांच की जाएगी। इस मामले में डीएम ने एक कमेटी गठित कर दी है। कमेटी बैंक खातों का पुराना रिकार्ड इकट्ठा कर रिपोर्ट देगी।डीएम अनुज सिंह ने इस मामले में पुलिस अधिकारियों से राय मशविरा करने के बाद एडीएम प्रशासन गुलाब चंद्र के नेतृत्व में एक कमेटी गठित कर दी। इस कमेटी में मुख्य कोषाधिकारी रेनू बौद्ध के अलावा एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह शामिल हैं। डीएम ने बताया कि कमेटी मदरसे के खातों के रिकार्ड को खंगालेगी। इस जांच से स्पष्ट होगा कि मदरसे को कहां कहां से फंडिंग मिली है। रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के कई मदरसों को 12 साल पहले खाड़ी देशों से फंडिंग की गई थी। इस मामले की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन जांच कराने के लिए सक्रिय हो गया।इधर एसडीएम सदर डॉ. राम मोहन मीणा ने भी मदरसे के मामले में डीएम को अपनी गोपनीय रिपोर्ट सौंपी है। एसडीएम और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने मदरसे के रिकार्डों की जांच की थी।पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर एडमिशन सेल के प्रभारी एवं बिहार के पूर्णिया जिले के रानी पत्रा थाना क्षेत्र के पुरखरिया निवासी मो. शाहजहां को गिरफ्तार किया था। पुलिस प्रधानाचार्य रहनुमा और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार डंपर ने आठ साल बच्चे को रौंदा, मौत के बाद ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जाम लगा.. वाहन तोड़ा

रामपुर में अवैध खनन से भरे तेज रफ्तार डंपर ने घर के बाहर खेल रहे आठ वर्षीय अर्श को कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने डंपर में तोड़फोड़ की और शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। थाना टांडा क्षेत्र के ग्राम यूसुफ नगर में घर के बाहर खेल रहे आठ वर्षीय बच्चे को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। इससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा

फूट पड़ा। उन्होंने डंपर में तोड़फोड़ की और शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। ग्राम यूसुफ नगर निवासी आठ वर्षीय अर्श कक्षा तीन का छात्र था। मंगलवार दोपहर वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान अवैध खनन से भरा तेज रफ्तार डंपर गांव के संकरे मार्ग से गुजर रहा था। चालक ने नियंत्रण खो दिया और डंपर सीधे अर्श के ऊपर चढ़ गया।इससे बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अर्श के पिता दिल्ली में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घर में उसकी मां और दो वर्षीय छोटी बहन है। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। उन्होंने डंपर में तोड़फोड़ की और अर्श का शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह सड़क पर डटे रहे। काफी देर बाद अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टांडा कस्बे में सुबह आठ से शाम आठ बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक है। बावजूद अवैध खनन से लदे ट्रक और डंपर गांव के बीच से तेज रफ्तार में गुजरते हैं। उन्होंने इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

चेन खींचने वाले बदमाशों के लगे पोस्टर...चंद घंटों में हटाने पर खड़े हुए सवाल

मुरादाबाद । महानगर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अजीब स्थिति देखने को मिली। चेन स्नेचिंग की बढ़ती घटनाओं के बीच महिला थाने के सामने सिविल लाइंस थाना क्षेत्र और दिल्ली रोड पर सड़क किनारे चेन खींचने के आरोप अब तक जेल जाने वाले अभियुक्तों के पोस्टर लगाए गए। लेकिन अधिकांश चेन खींचने की घटना होने वाले क्षेत्र सिविल लाइन क्षेत्र में पोस्टर को कुछ घंटों बाद ही उतरवा दिया गया। इसको लेकर आम जनमानस में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

सोमवार को लोकोशेड पुल और सिविल लाइन थाने क्षेत्र में महिला थाने के सामने लगाए गए पोस्टरों में कुछ संदिग्ध युवकों की तस्वीरें लगाई गई थीं। यह कदम नागरिकों से उनकी पहचान बताने के प्रयास में किया गया था। राहगीर इन पोस्टरों को देखकर हैरान रह गए, लेकिन कुछ ही देर बाद सिविल लाइंस थाने के सामने लगा पोस्टर हटा दिया गया।पोस्टर किसने लगाए और बाद में किसने हटाए इसका अब तक पता नहीं चल सका है। इस संबंध में सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने पोस्टर लगाने की जानकारी से इंकार किया और कहा कि थाने स्तर से ऐसी कोई कार्रवाई नहीं कराई गई है। अचानक पोस्टर हटाए जाने की बाद से इसकी चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि यह पुलिस की पहल थी, तो उसे जारी रहना चाहिए था। जिससे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जागरुकता बढ़े और अपराधियों पर दबाव बने।

हाईकोर्ट से सपा को बड़ी राहत, मुरादाबाद पार्टी दफ्तर खाली कराने का आदेश रद्द, प्रशासन ने दिया था नोटिस

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी को बड़ी राहत देते हुए मुरादाबाद स्थित सपा कार्यालय खाली कराने के प्रशासनिक आदेश को रद्द कर दिया है। प्रशासन ने नजूल भूमि और 15 वर्ष से अधिक आवंटन अवधि का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी को बड़ी खाली कराने के प्रशासनिक आदेश को राहत मिली है। मुरादाबाद स्थित को निरस्त कर दिया था। जिला प्रशासन भूमि पर बना है, जो नगर निगम के पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम सपा जिलाध्यक्ष को नोटिस जारी कर ने प्रशासन को बताया था कि कार्यालय कब्जा पूरी तरह वैध है। प्रशासन ने भी भवन का आवंटन अधिकतम 15

भवन का आवंटन 16 सितंबर को निरस्त किया था। इलाहाबाद राहत दी है। कोर्ट ने मुरादाबाद में सपा के जिला कार्यालय को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से पार्टी कार्यकर्ताओं को समाजवादी पार्टी के कार्यालय का आवंटन प्रशासन ने 16 सितंबर की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि यह भवन नजूल की प्रबंध क्षेत्र में आती है। आदेश में उल्लेख था कि नोटिस की अवधि भवन पर कब्जा लेगी।इससे पहले 30 जुलाई को भी प्रशासन ने कार्यालय खाली करने को कहा था। इसके जवाब में सपा जिलाध्यक्ष का किराया नियमित रूप से जमा किया जाता रहा है और पार्टी का अपने आदेश में शासनादेश का हवाला देते हुए कहा था कि किसी वर्ष तक ही वैध रह सकता है, जबकि सपा कार्यालय को तीन दशक से अधिक समय बीत चुका है। इसी आधार पर आवंटन रद्द करने का निर्णय लिया गया था। सपा ने इस नोटिस को भेदभावपूर्ण और अनुचित बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। पार्टी का कहना था कि उन्होंने कभी भी किराए या नियमों का उल्लंघन नहीं किया। सभी बकाया नियमित रूप से जमा किए गए हैं, बावजूद इसके केवल राजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है। मामले की सुनवाई के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रशासन का आदेश रद्द करते हुए सपा को राहत दी। कोर्ट ने माना कि नोटिस की प्रक्रिया में आवश्यक तथ्यों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बंद कमरे में पत्नी ने पति संग किया ऐसा काम... खून से लथपथ चीखते हुए आया बाहर, अस्पताल में कराया गया भर्ती

गंभीर हालत में पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने घायल व्यक्ति की पत्नी, उसके बेटे और पुत्र वधु के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।मझोला थाना क्षेत्र में एक महिला ने ब्लेड से अपने पति का गुप्तांग काट दिया। गंभीर हालत में पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने घायल व्यक्ति की पत्नी, उसके बेटे और पुत्र वधु के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मझोला क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले 55 वर्षीय व्यक्ति फर्म में काम करता है। उसने मझोला थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि 24 अक्तूबर की रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान पत्नी, बेटा और बेटे की पत्नी उसके साथ झगड़ा करने लगे। आरोप है कि तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई की। उसकी जेब से रुपये भी निकाल लिए। आरोप है कि पत्नी उसे खींच कर कमरे में ले गई और ब्लेड से उसका गुप्तांग काट दिया जिससे वह लहूलुहान हो गया। शोर शराबा होने पर आस पड़ोस के लोग आ गए और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल भिजवा दिया जहां उसका इलाज चल रहा है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

लापता महिला की गर्दन काटकर हत्या... घरों में खाना बनाने का काम करती थी वो; यहां मिला शव

हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में रीना (30) की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव रहरा-हसनपुर मार्ग पर तीसरा मिल के पास खाली प्लॉट में मिला। रीना घरों में खाना बनाने का काम करती थी, जबकि उसका पति कुंवरपाल राज मिस्त्री है। अमरोहा के हसनपुर कोतवाली इलाके में महिला की गला काटकर

हत्या कर दी गई। उसका शव रहरा हसनपुर मार्ग पर तीसरा मिल के नजदीक खाली प्लॉट में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। महिला के बच्चों और पति ने घटना स्थल पर पहुंचकर हसनपुर के मोहल्ला कोट पूर्वी कुम्हारान निवासी रीना (30) के रूप में शव की शिनाख्त की। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस जांच पड़ताल में लगी हुई है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।बताते हैं कि महिला घरों में खाना बनाने का कार्य करती थी जबकि उसके पति कुंवरपाल राज मिस्त्री का काम करते हैं। महिला सोमवार की देर शाम से अचानक घर से लापता हो गई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। खाली प्लाट में मिला महिला का शव मंगलवार की सुबह रहरा हसनपुर मार्ग पर तीसरा मिल के नजदीक खाली प्लाट में महिला का शव मिला। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया गया था हालांकि गर्दन धड़ से अलग नहीं हुई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सीओ दीप कुमार पंत घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने जांच पड़ताल की। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। महिला ने अपने पीछे पांच बच्चे छोड़े हैं। जिनमें तीन बेटे और दो बेटियां हैं। तीन बेटों में दो बेटे दिव्यांग हैं।महिला की गर्दन काट कर हत्या- बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि महिला की गर्दन काट कर हत्या हुई है। महिला की शिनाख्त हो गई है। जल्द ही मामले में कानूनी कार्रवाई की जा जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- जन्नत निशा स्कूल पीरगैब में महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए स्त्रड्ड 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

मढ़ीनाथ चौकी क्षेत्र में 24 वर्षीय डीएलएड की छात्रा ने लगाई फांसी

सुसाइड नोट में लिखा , मैं डिप्रेशन में हूँ, किसी का कोई दोष नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के मढ़ीनाथ शिव मंदिर के पास मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब भारत पेट्रोलियम से रिटायर्ड चंद्रभान की सबसे छोटी बेटी डीएलएड की छात्रा 24 वर्षीय पूजा उर्फ अंजली ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। परिवार के मुताबिक, पूजा के तीन भाई-बहन हैं। बड़ा भाई देवेंद्र उर्फ मनीष अपनी ससुराल गया हुआ था, जबकि छोटा भाई कुलदीप उर्फ सोनू घर पर ही मौजूद था। मंगलवार सुबह जब परिजनों ने दरवाजा खोला तो पूजा का शव फंदे पर लटकता मिला। घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी/एएसपी सोनाली मिश्रा, थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह, तथा मढ़ीनाथ चौकी प्रभारी रविन्द्र सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पूजा ने लिखा है कि वह लंबे समय से डिप्रेशन में थी और इस कदम के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया। परिजनों ने बताया कि पूजा स्वभाव से शांत और पढ़ाई में तेज थी। वह डीएलएड कोर्स कर रही थी और हाल ही में परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिजनों के अनुसार, उसने किसी भी प्रकार की परेशानी या तनाव की बात कभी जाहिर नहीं की थी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सुसाइड नोट मिला है जिसकी हैंडराइटिंग की जांच कराई जाएगी। घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। सुसाइड नोट मिला है जिसमें मृतका ने खुद को डिप्रेशन में बताया है। फिलहाल किसी के खिलाफ आरोप नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो स्वर्ण, एक रजत पदक जीतकर महिला हेड कांस्टेबल वंदना ने बढ़ाया बरेली पुलिस का मान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / राष्ट्रीय और अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, एसएसपी ने किया सम्मानित बरेली। यूपी-112 में तैनात महिला हेड कांस्टेबल वंदना कुमारी ने अपनी खेल प्रतिभा से बरेली पुलिस का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय और अखिल भारतीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किए। 47वीं नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025, जो 29 से 31 अगस्त को लुधियाना (पंजाब) में आयोजित हुई, उसमें वंदना ने 70 किलोग्राम वर्ग की लेफ्ट और राइट हैंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं 74वीं ऑल इंडिया पुलिस रेसलिंग क्लस्टर प्रतियोगिता में, जो 20 से 24 सितंबर को करनाल (हरियाणा) में हुई, उन्होंने रजत पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। मंगलवार को एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी साउथ अशिका वर्मा ने वंदना को पदक पहनाकर सम्मानित किया। एसएसपी ने कहा कि वंदना ने ड्यूटी और खेल दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाकर एक प्रेरक उदाहरण पेश किया है। एसपी साउथ ने कहा कि उनका यह प्रदर्शन महिला पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा। वंदना की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि समर्पण और मेहनत से हर क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। बरेली पुलिस परिवार ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय लोकदल बरेली का कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । राष्ट्रीय लोकदल का कार्यकर्ता सम्मेलन होटल रोहिला में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी राष्ट्रीय महासचिव (संगठन), साथ ही बलजीत सिंह बिट्टू राष्ट्रीय अध्यक्ष (किसान प्रकोष्ठ) दिलनवाज खान प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) चौधरी रामवीर सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष (रोहिला खंड) राजवीर सिंह गुर्जर (सदस्यता प्रभारी) मनोज चौधरी जिला अध्यक्ष मुरादाबाद,सर्वेश पाठक प्रदेश सचिव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामवीर सिंह ने की और कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष मोहम्मद मतलूब एडवोकेट किया मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने कहा कि कार्यकर्ता रीड की हड्डी के समान है सभी पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर राष्ट्रीय लोक दल की नीतियों को एवं माननीय जयंत चौधरी जी के कार्यों को अवगत कराना है साथ ही गरीब किसान मजदूरों को पार्टी से जोड़ने का काम करें हम राजनीतिक पार्टी के लोग हैं हर चुनाव लड़ना हमारा कार्य है। बलजीत सिंह बिट्टू जीने का राष्ट्रीय लोक दल किसानों की पार्टी है और किसानों के हितों के लिए हमेशा सजग रहती है दिलनवाज खान जी ने कहा अल्पसंख्यकों के हितों के लिए राष्ट्रीय लोकदल हमेशा साथ खड़ी है और चौधरी रामवीर सिंह ने कहा पार्टी की रीढ़ कार्य कर्ता होता है बरेली में जिला अध्यक्ष मतलूब जी के नेतृत्व में बरेली काफी अच्छा कार्य कर रहा है लगातार पार्टी को मजबूती प्रदान करने का कार्य हो रहा है साथ ही जिला अध्यक्ष मोहम्मद मतलूब एडवोकेट ने सभी मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया साथ ही जिला अध्यक्ष की अगुवाई में बहुत सारे लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। महानगर अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना जी ने कहा की सदस्य अभियान जो 31 अक्टूबर तक चल रहा है सभी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में जाकर अधिक से अधिक सदस्य बनाएं जिसका समापन पटेल चौक पर 31 अक्टूबर को किया जाएगा इस इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मोहम्मद मतलूब एडवोकेट, महानगर अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना, कुलदीप पंवार, सहादत हुसैन, कमल जीत सिंह, शाहवान खान, गीता सिन्हा, नंद किशोर मिश्रा, संजीव शर्मा, चौधरी सनी , किस्मत अली, अबरार अली, ओमपाल, जाफर मंसूरी, राजवीर उपाध्याय, परमेश्वरी कश्यप, हसीन, गुड्डू अल्वी, जाबिर खान, इमरान खान, झम्मन लाल, वीरेंद्र गंगवार, रवी ढाका, योगेन्द्र सिंह, मनवीर सिंह, तरुण, आदि उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मौलाना तौकीर रजा की जेल से वीडियो पेशी, न्यायिक हिरासत 11 नवंबर तक बढ़ी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / 26 सितंबर के बरेली उपद्रव के मुख्य आरोपी, पुलिस ने लगाए दंगा और साजिश के गंभीर आरोप बरेली। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को मंगलवार को फतेहगढ़ सेंट्रल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में पेश किया गया। वहीं, उनके करीबी सहयोगियों को अदालत में फिजिकल पेशी के लिए लाया गया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद मौलाना की न्यायिक हिरासत को 11 नवंबर तक बढ़ा दिया। मौलाना तौकीर रजा पर 26 सितंबर को हुए बरेली हिंसक उपद्रव में भीड़ को भड़काने का आरोप है। इस मामले में उनके खिलाफ 10 अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, वह 2019 के सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन में भी आरोपी हैं और सभी मामलों में बी-वारंट जारी किए जा चुके हैं। मामला ्रआई लव मोहम्मद्र पोस्टर विवाद से शुरू हुआ था। प्रशासन द्वारा धारा 163 लागू कर रैली पर रोक लगाने के बावजूद मौलाना ने सभा का ऐलान और वीडियो बयान जारी किया, जिससे भीड़ उग्र हो गई। खलील तिराहा, कोतवाली, नौमहला मस्जिद, आजमनगर और श्यामगंज क्षेत्रों में पथराव, फायरिंग और पेट्रोल बमबाजी की घटनाएं हुईं, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। मौलाना पर दंगा भड़काने, साजिश रचने और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

वकील सुनील सक्सेना ने बताया कि इन धाराओं में जल्द जमानत की संभावना बेहद कम है। यदि एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) लगाया गया तो एक वर्ष तक रिहाई संभव नहीं होगी। मौलाना के करीब 105 समर्थक भी फिलहाल जेल में बंद हैं।

डीएम ने जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की सुनी जनसमस्याए

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, यथार्थपूर्ण एवं गुणवत्तापरक निस्तारण करने के दिए निर्देश बरेली, जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने प्रत्येक दिवस की भांति कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना। जिलाधिकारी ने जन सामान्य की शिकायतों का समयबद्ध, यथार्थपूर्ण एवं गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आमजन की शिकायतों को सुनकर शत प्रतिशत उनका निराकरण किया जाये। जनसुनवाई के दौरान कहा कि जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी शिकायतें आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं और शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट होना चाहिए।

सुरक्षा मानकों की उड़ रही धज्जियां, बिना फायर एनओसी चल रहे होटल, रेस्टोरेंट और बरातघर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / अग्निशमन विभाग की जांच में खुलासा = बेसमेंट में गैस सिलेंडर बैंक, अवैध हुक्का बार और मानकविहीन निर्माण, कई प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी बरेली। शहर में होटल, रेस्टोरेंट और बरातघर संचालक सुरक्षा मानकों को अनदेखी कर खुलेआम कारोबार चला रहे हैं। बदायूं रोड, सेटेलाइट, चंदपुर और शाहजहांपुर रोड समेत कई इलाकों में ऐसे प्रतिष्ठान पाए गए हैं जो बिना फायर एनओसी के संचालित हो रहे हैं। अग्निशमन विभाग की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए कहीं बेसमेंट में एलपीजी गैस सिलेंडर का बैंक मिला, तो कहीं अवैध हुक्का बार चलता मिला। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) मनु शर्मा ने ऐसे 20 से अधिक होटल, रेस्टोरेंट और बरातघरों को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही कई प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त करने और सीलिंग की कार्रवाई के लिए बीडीए व आबकारी विभाग को पत्र भेजा गया है। 'आग के बरातघर' बदायूं रोड पर खतरे का कारोबार बदायूं रोड पर करीब 90 फीसदी बरातघर बिना फायर एनओसी के चल रहे हैं। हाल ही में त्रिमूर्ति बरातघर और नैना मेंशन को नोटिस जारी किया गया। यहां अग्निशमन उपकरण नदारद पाए गए और पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से बारात के समय सड़क पर जाम लग जाता है। सीएफओ ने चेतावनी दी है कि अगर मानक पूरे नहीं किए गए तो सीलिंग या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। हुक्का बार पर कार्रवाई लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश अयूब खां चौराहे के पास प्राइम प्रॉपर्टी बार एंड रेस्टोरेंट के ऊपरी तल पर अवैध हुक्का बार संचालित पाया गया। सीएफओ ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए आबकारी विभाग से लाइसेंस निरस्त करने और बीडीए उपाध्यक्ष से प्रांगण सील करने की सिफारिश की है। वहीं सेटेलाइट होटल और रजानी होटल को मानकविहीन पाया गया है। बेहद छोटे भूखंडों पर बने ये भवन अग्निकांड की स्थिति में गंभीर खतरा साबित हो सकते हैं। विभाग ने दोनों के ध्वस्तीकरण की रिपोर्ट बीडीए को भेज दी है। जांच में उजागर हुए कई गंभीर मामले होटल कैफ्सन (डोहरा रोड) बेसमेंट में गैस सिलेंडर बैंक मिला, सीएफओ ने सीलिंग नोटिस जारी किया। होटल अमाया (चौकी चौराहा) फायर उपकरण और ढांचागत सुरक्षा में कमी के कारण नोटिस। होटल जेएम विस्तारा (स्टेडियम रोड) व मूडी मून (आज़ाद नगर) फायर सिस्टम निष्क्रिय मिला। होटल देवभूमि (शाहजहांपुर रोड) बेसमेंट में टेंट हाउस सामग्री मिलने पर नोटिस। सीएफओ मनु शर्मा ने कहा कि शहर के करीब 25 होटल और बरातघर सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते। बार-बार चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं हुआ, इसलिए संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए पत्र भेज दिया गया है। यदि भविष्य में आगजनी होती है, तो इन प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी विभाग की नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान / दस्तक अभियान के सम्बन्ध में की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / नगरीय क्षेत्र में एंटी लार्वा का छिड़काव कराने के दिए निर्देश बरेली, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अवगत कराया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक तथा दस्तक अभियान 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चल रहा है। उक्त अभियान के अन्तर्गत संचारी रोगों से बचाव हेतु आवश्यक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैठक में जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह एक वायरल जूनोटिक रोग है जो क्यूलेक्स मच्छर द्वारा फैलता है और इसके कारण मस्तिष्क की सूजन होती है। यह वायरस सूअरों, पक्षियों और कुछ अन्य जानवरों में मौजूद रहता है और संक्रमित मच्छर के काटने से मनुष्यों में फैलता है। इस रोग की रोकथाम के लिए टीकाकरण, मच्छर भगाने के तरीके और जागरूकता महत्वपूर्ण हैं। सुअर को जब मच्छर काटता है और उसके बाद वह मच्छर बच्चों को भी काटता है तो जेई से प्रभावित कर सकता है। वर्ष 2025 में जापानी इंसेफेलाइटिस का एक केस चिन्हित हुआ है, इसलिए साफ-सफाई, एंटी लार्वा का छिड़काव, झाड़ियों की कटान, सुअर बाड़े को आबादी क्षेत्र से दूर रखना आदि उपाय अपनाने जाएं, जिससे संचारी रोग का प्रभाव ना हो। बैठक में निर्देश दिए गए कि अंतर विभागीय समन्वय बढ़ाए जाए तथा जेई का वैक्सीनेशन प्रभावी तरीके से कराया जाए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

उत्तर प्रदेश उत्तराखंड की सीमा पर सटे देवहा फिटर पर धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ व्रत का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत/ मझोला। क्षेत्र के देवहा फिटर नदी तट पर छठ मैया का महापर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। दो दिन तक चले इस पावन पर्व के अंतिम दिन मंगलवार की सुबह व्रती महिलाओं ने उगते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन किया। इस दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और छठ मैया की जय के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह सूर्योदय से पहले ही महिलाओं ने पूजा की थाली सजाई और नदी के स्वच्छ जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। व्रतियों ने अपने परिवार की सुख-शांति, संतान की दीर्घायु और समृद्धि की कामना की। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाओं ने पारण कर चार दिनों से चले आ रहे निर्जला व्रत का समापन किया। इससे पहले सोमवार की शाम व्रती महिलाओं ने सजे-धजे घाटों पर दीपक जलाकर डूबते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया था। रातभर श्रद्धालुओं ने घरों और घाटों पर भजन-कीर्तन और जागरण के साथ छठ मैया की आराधना की। भक्तों ने बताया कि यह पर्व पूर्वांचल का सबसे पवित्र त्योहार माना जाता है, लेकिन अब इसकी आस्था सीमाओं को पार कर पूरे देश में फैल चुकी है। देवहा फिटर नदी तट पर इस अवसर पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की भारी भीड़ रही। चारों ओर भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की गूंज से माहौल अत्यंत उल्लासपूर्ण बना रहा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, नगर अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह, बैजनाथ यादव, धीरेन्द्र गुप्ता, चंद्रशेखर, रामनरेश, रामानंद वकील साहब, भोले सिंह, वंदना सिंह, पूजा सिंह, स्वेता सिंह, रीना देवी,शोभा सिंह, अंजू सिंह, क्रिशला सिंह, उर्मिला सिंह, गीता यादव,अवधेश सिंह,राजकुमार सिंह, डॉ. राघवेंद्र सिंह, अक्षय कुमार, राधा गुप्ता, सुनीता गुप्ता, शिवम टेंट मझोला एवं मनोज गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।छठ मैया के जयघोष से पूरा देवहा तट गूंज उठा और भक्तिमय माहौल में छठ महापर्व का सफल समापन हुआ।

किसान की हत्या करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, दामाद ने दी थी छह लाख रुपये की सुपारी

जेके कैंसर अस्पताल परिसर में औरैया निवासी किसान की 17 अक्तूबर को हत्या हुई थी। स्वरूपनगर पुलिस ने दामाद को पहले ही गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया था।छह लाख रुपये की सुपारी लेकर किसान की हत्या करने के दो आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीसरे की तलाश जारी है। हत्या की साजिश किसान के दामाद ने रची थी। पुलिस ने उसे पहले ही गिरफ्तार कर घटना का राजफाश कर दिया था। औरैया के बहादुरपुर क्षेत्र के किसान राजकुमार सिंह राजावत की हत्या कर दी गई थी। उनका शव 19 अक्तूबर को जेके कैंसर अस्पताल परिसर में बने जंगल में मिला था। वह पत्नी का मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। पुलिस ने हत्या की साजिश रचने में 21 अक्तूबर को दामाद मोहित को गिरफ्तार कर लिया था। उससे पूछताछ में घटना को अंजाम देने में औरैया के रिषभ उर्फ बाबू सिंह, कन्हैया कुमार और प्रिंस दुबे का नाम सामने आया था।पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि रिषभ और कन्हैया कुमार को हैलट नहरिया के पास से मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। रिषभ पर पूर्व में पांच और कन्हैया कुमार पर एक रिपोर्ट दर्ज है। आरोपियों ने छह लाख रुपये लेकर हत्या को अंजाम दिया था।

डीएम राहुल पांडेय का तबादला, अतुल वत्स होंगे हाथरस के नए जिलाधिकारी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स को हाथरस का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। अतुल वत्स अलीगढ़ विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष रह चुके हैं।यूपी में 46 अधिकारियों का तबादला किया गया है। हाथरस के डीएम राहुल पांडेय का तबादला हो गया है। उनकी जगह अतुल वत्स नए डीएम होंगे। पिछले साल सितंबर में हमीरपुर के डीएम राहुल पांडेय को हाथरस का डीएम बनाया गया था। एक साल एक माह के बाद उनका तबादला कर दिया गया है। राहुल पांडेय को उत्तर प्रदेश शासन के राज्य कर विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। वहीं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स को हाथरस का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। अतुल वत्स अलीगढ़ विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष रह चुके हैं।अतुल वत्स का जन्म हरियाणा के सोनीपत में हुआ। उन्होंने बीई की पढ़ाई की है। वह सबसे पहले सोनभद्र में असिस्टेंट मजिस्ट्रेट बने। उसके बाद मऊ मे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हुए। वहां से सीडीओ सुल्तानपुर बनकर गए। वहां के बाद वह अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रहे, जिसके बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष बने। वहीं से अब हाथरस के जिलाधिकारी बनाए गए हैं।

शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए ग्राम प्रधान विवेकानंद ने नागरिकता कानून प्रभारी से की मुलाकात

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत/ भारत सरकार द्वारा अफगानिस्तान पाकिस्तान बांग्लादेश से आए सभी शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए गृह मंत्रालय की तरफ से का कानून पारित किया गया है। उसके तहत नागरिकता प्राप्त करने के लिए लोगों ने आवेदन किए थे। इसमें जो दिक्कतें आ रही थी उसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व डजी व नागरिकता कानून उत्तर प्रदेश प्रभारी डॉक्टर सूर्य कुमार शुक्ला जी , प्रदेश के मॉनिटरिंग कर रहे ए के राय से ग्राम प्रधान विवेकानंद ने नागरिकता विषय पर विस्तार से विचार विमर्श किया। ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार का कहना है कि कोई भी शरणार्थी नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्ति से रह ना जाए। इसके हर संभव प्रयास किया जाए, की कोई भी शरणार्थी नागरिकता से वंचित न रहे। जिससे कि सभी शरणार्थियों को नागरिकता मिल सके। इसलिए प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश का मुख्य अधिकारी से वार्ता की गई। मुख्य अधिकारी ने एवं प्रभारी जी ने आश्वासन दिया है जो भी दिक्कत है आ रही है उसको ठीक करते हुए सभी का नागरिकता प्रमाण पत्र दिया जाएगा ।इस पर विवेकानंद सरकार ग्राम प्रधान द्वारा उनका आभार व्यक्त किया।

बाजार का हाल: मौसम के तेवर में आई नरमी... मसालों के भाव हो गए गर्म

एक सप्ताह में इलायची, लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, जीरा, धनिया जैसे मसालों की कीमत में 10 से लेकर 50 रुपये तक भाव बढ़ गए हैं। सर्दी की आहट व सहालग को देखते हुए गरम मसालों की मांग में तेजी आने लगी है। इसका असर थोक से फुटकर मंडियों तक में दिखने लगा है। एक सप्ताह में इलायची, लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, जीरा, धनिया जैसे मसालों की कीमत में 10 से लेकर 50 रुपये तक भाव बढ़ गए हैं। बड़ी इलायची के दाम में 200 रुपये किलो का इजाफा हुआ है। आपूर्ति सीमित होने के कारण भी दाम में उछाल आया है।याहियागंज मंडी के मसाला कारोबारी गौतम गुप्ता का कहना है कि बड़ी इलायची नेपाल व सिलीगुड़ी से आती है। नेपाल में इस बार उत्पादन कुछ कम हुआ है। इस बार कुछ देरी भी हो रही है, जिससे शार्टेज बनी है। इस कारण इसके दाम में सबसे अधिक तेजी है। मसाला कारोबारी विजय अग्रवाल का कहना है कि दिवाली के बाद मौसम सुबह-शाम कुछ ठंडा रह रहा है। सहालग भी शुरू होने वाली है। इस कारण मसालों की फुटकर और थोक दोनों की बिक्री बढ़ गई है। दीपावली तक रोजाना 40 से 50 हजार रुपये तक के मसाले विकते थे। अब 70 से 80 हजार रुपये तक के मसाले बिक जा रहे हैं। मसाला भाव (एक सप्ताह पहले) वर्तमान भाव लौंग 750
रुपये 775 रुपये जावित्री 1950 रुपये 2000 रुपये जायफल 695
रुपये 740 रुपये काली मिर्च 690 रुपये 740 रुपये दालचीनी 223
रुपये 232 रुपये बड़ी पीपल 910 रुपये 1010 रुपये जीरा 235 रुपये 255 रुपये बड़ी
इलायची 1480 रुपये 1680 रुपये छोटी इलायसी 3300 रुपये 3500 रुपये

काफी देर तक प्लेटफॉर्म पर बातचीत... फिर थामा एक-दूसरे का हाथ; ट्रेन के आते ही प्रेमी युगल ने लगा दी छलांग

गोरखपुर के पिपराइच रेलवे स्टेशन पर प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों काफी देर तक प्लेटफॉर्म पर बातचीत करते रहे और ट्रेन आते ही एक-दूसरे का हाथ पकड़कर रेलवे लाइन पर कूद गए। गोरखपुर के पिपराइच रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर शाम प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। युवक की पहचान नगर पंचायत के विश्वकर्मा कुमार (22) और युवती की दिव्या (18) के रूप में हुई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों काफी देर तक प्लेटफॉर्म पर बातचीत करते रहे और ट्रेन आते ही एक-दूसरे का हाथ पकड़कर रेलवे लाइन पर कूद गए। विश्वकर्मा कुमार हैदराबाद में कारपेंटर था और दिवाली पर घर आया था। वहीं, दिव्या कपड़े की एक दुकान में काम करती थी। दोनों में एक साल से नजदीकियां थीं। पुलिस के मुताबिक सोमवार को दुकान से निकलने के बाद दिव्या ने विश्वकर्मा को फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। बातें करते हुए दोनों पिपराइच रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और हमसफर एक्सप्रेस के आगे छलांग लगा दी। स्टेशन मास्टर उमेश चंद्र झा की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शवों को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। इस बीच मौके पर मिले मोबाइल के जरिये युवक-युवती की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे प्रेमी युगल के परिजनों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। दिव्या की मां ने विश्वकर्मा पर बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाया। जीआरपी के एसआई दिग्वविजय सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। छह माह पहले भी करने वाले थे आत्महत्या, बचा लिया था लोगों ने पिपराइच रेलवे स्टेशन पर आत्महत्या करने वाले प्रेमी युगल ने छह माह पहले भी आत्मघाती कदम उठाया था लेकिन लोगों ने उन्हें रोक लिया था। तब युवती की मां ने दोनों को सरेराह पीटा था। बताया जा रहा है कि युवती की मां के लगातार विरोध और जबरन तय की गई शादी से क्षुब्ध होकर दोनों ने सोमवार की जान दे दी।विश्वकर्मा के पिता ने बताया कि उनके बेटे की दिव्या के साथ एक साल से नजदीकियां थीं। दोनों ने की थी आत्महत्या की कोशिश छह माह पहले दोनों को पिपराइच रेलवे स्टेशन के पास स्थित मंदिर में बातचीत करते हुए दिव्या की मां ने देख लिया था और गुस्से में दोनों को सरेआम पीट दिया थ। उस दौरान भी दोनों ने आत्महत्या की कोशिश की थी लेकिन आसपास के लोगों ने समझा-बुझाकर रोक लिया था। इसके कुछ दिन बाद युवती के पिता परदेस से घर आए और विश्वकर्मा के घर जाकर बात की। विश्वकर्मा के परिवार ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए नवंबर या दिसंबर में शादी का आश्वासन दिया था। यह बात युवती की मां को नागवार गुजरी। ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या नाराज होकर उसने बेटी की शादी एक अन्य युवक से तय कर दी, जो सऊदी अरब में काम करता है। मई 2026 में डेट भी पड़ गई थी। बताया जा रहा है कि इसी के बाद प्रेमी युगल ने सोमवार की देर शाम रेलवे स्टेशन पहुंचकर ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। रेलवे ट्रैक के पास दोनों के शव करीब 10 मीटर की दूरी पर पड़े मिले। युवती का शव नग्न अवस्था में मिलने से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिव्या की मां ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उसकी बेटी रोज की तरह सोमवार सुबह नौ बजे कपड़े की दुकान पर काम करने गई थी देर शाम तक घर न लौटने पर उन्हें चिंता हो रही थी इसी बीच शव मिलने की सूचना मिली। पिपराइच थानाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रेम संबंध की बात सामने आई है। दोनों परिवारों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और मामले की जांच सभी पहलुओं पर की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

माधोपुर गांव में अवैध लकड़ी डिपो का पर्दाफाश, वन विभाग ने नैन सुख-सफदर मियां पर मुकदमा्यूकेलिप्टस-पॉपलर की तस्करी का खेल, पुलिस जांच तेज

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / अमरिया थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव में वन माफियाओं का नया खेल पकड़ा गया। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर दो जगहों पर अवैध लकड़ी भंडारण के डिपो बरामद किए। यूकेलिप्टस और पॉपलर की सैकड़ों क्यूबिक मीटर लकड़ी बिना किसी वैध दस्तावेज के स्टोर की जा रही थी, जिसे बेचने के लिए डिपो के रूप में चलाया जा रहा था। वन रक्षक कौशेंद्र कुमार की शिकायत पर अमरिया थाने में नैन सुख (स्थानीय निवासी) और सफदर मियां (मुख्य आरोपी) के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हो गया। यह कार्रवाई जिले में बढ़ते अवैध कटान को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जहां क्क्ष्क्र क्षेत्र से सटी जगहों पर लकड़ी तस्करी चरम पर है। मुखबिर की टिप मिलते ही वन दरोगा शैलेंद्र कुमार, वन रक्षक, रंजीत सिंह और वनकर्मियों की टीम माधोपुर पहुंची। गांव के बाहरी इलाके में दो अस्थायी डिपो मिले, जहां ट्रक-ट्रॉली से लाई गई लकड़ी ढेर लगाकर रखी गई थी। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि लकड़ी क्क्ष्क्र या आसपास के जंगलों से अवैध कटाई कर लाई गई, बिना परमिट या रॉयल्टी चुकाए। आरोपी नैन सुख गांव का रहने वाला है, जबकि सफदर मियां अमरिया से जुड़ा तस्कर है, जो अमरिया के माध्यम से लकड़ी सितारगंज रामपुर रूट पर बेचते है।

राजस्थान बस हादसा: पीलीभीत के पूरनपुर से ईंट भट्ठे पर जा रहे थे मजदूर, तीन की मौत से घरों में मचा कोहराम

राजस्थान के जयपुर से करीब 50 किमी दूर मनोरथपुर इलाके में हुए बस हादसे में पीलीभीत जिले के तीन मजदूरों की मौत हो गई। इनमें दो की शिनाख्त हो गई। तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। राजस्थान के जयपुर से करीब 50 किमी दूर मनोरथपुर इलाके में हुए बस हादसे में शामिल मजदूर सोमवार की शाम पीलीभीत के पूरनपुर से रवाना हुए थे। ये सभी पूरनपुर कोतवाली के गांव शेरपुर के मोहल्ला नौगंवा निवासी थे। मंगलवार को हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे में नौगंवा निवासी नसीम और सहीनम की मौत हुई है। तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। गांव निवासी नसीम की पुत्री गरकशा ने अपने भाई राजा से बात की। उसने बताया कि सुबह आठ बजे बात हुई तब भाई ने कहा था कि वे लोग भट्ठे पर पहुंचने वाले हैं। थोड़ी देर बाद बात की तो हादसे का पता चला और भाई ने दो लोगों के मरने की जानकारी दी। इसके बाद से किसी से बात नहीं हो सकी। हादसे की खबर सुन परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गांव के जिन घरों से लोग साथ गए थे, उन घरों में भी कोहराम मचा है।ईंट भट्ठे से आधा किमी पहले हादसा, मची चीख पुकार बरेली के बहेड़ी की इस बस को एक ठेकेदार ने बुक कराया था। पूरनपुर के आसपास गांवों के मजदूरों को ईंट भट्ठे पर काम करने को भेजा गया। हादसा ईंट भट्ठे से करीब आधा किमी पहले हुआ और जिले के दो मजदूरों की मौत हो गई। बहेड़ी निवासी बस मालिक आरिफ ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 10 बजे बस के कंडक्टर ने हादसे की सूचना दी। कंडक्टर ने यह भी बताया कि बस ईंट भट्ठे पर ही पहुंचने वाली थी। करीब आधा किलोमीटर पहले हादसा हो गया। कंडक्टर ने बस मालिक को यह भी बताया कि बस की बुकिंग कराने वाले ठेकेदार ने जिस लड़के को साथ भेजा था, उसी ने बस को ईंट भट्ठे तक ले जाने की जिद की। हादसे के बाद से यात्री में खौफ, बात करना भी मुश्किल- आरिफ ने बताया कि कंडक्टर से बात करने के बाद उनकी किसी से दोबारा बात नहीं हो सकी। हादसे के बाद से यात्रियों में खौफ है। लोग इतना डरे हैं कि कुछ बता भी नहीं पा रहे है। बस में सवार मजदूर किस गांव के थे यह जानकारी जुटाई जा रही है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु देवउठनी एकादशी पर जिले में विशेष निगरानी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / (ब्यूरो) शिवपुरी। देवउठनी एकादशी (01-02 नवम्बर 2025) के शुभ अवसर पर जिले में बड़ी संख्या में विवाह आयोजन होने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार चौधरी ने बाल विवाह की रोकथाम हेतु विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप शिवपुरी जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा व्यापक कार्ययोजना पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर चौधरी ने जिले के सभी तहसील एवं विकासखंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विवाह आयोजनों पर निकटतम दृष्टि रखें। प्रत्येक ग्राम अथवा वार्ड में बाल विवाह की सूचना प्राप्त करने हेतु सूचना तंत्र का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। इस सूचना तंत्र में शिक्षक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की सदस्य, शौर्यदल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मातृ सहयोगिनी समिति, सरपंच, पंच, पार्षद, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम वार्ड के सक्रिय सदस्य शामिल किए जाएंगे। बाल विवाह रोकथाम में सहयोग देने वाले सूचनादाताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। बाल विवाह की सूचना मिलने पर संबंधित व्यक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग के कन्ट्रोल रूम नंबर 07492-356963, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 या पुलिस सहायता नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अंतर्विभागीय समन्वय से उड़नदस्ता दल का गठन करें, जो विवाह स्थलों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेगा कि कोई बाल विवाह सम्पन्न न हो रहा हो। बाल विवाह की पुष्टि होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 का स्कूल, कॉलेज एवं अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। प्रशासन ने जिले में विवाह आयोजनों से जुड़े सेवा प्रदाताओं - प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, कैटरर्स, धर्मगुरु, बैंड, ट्रांसपोर्ट, समाज प्रमुखों व जनप्रतिनिधियों को भी बाल विवाह के दुष्परिणामों से परिचित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्हें यह भी कहा गया है कि विवाह आयोजन में सेवाएं देने से पूर्व वर-वधु की उम्र का प्रमाण अवश्य जांचें। कलेक्टर चौधरी ने नागरिकों से अपील की है कि वे समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के उन्मूलन में प्रशासन का सहयोग करें और शिवपुरी जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सहभागी बनें।

हर भवन में बनेगा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनपद में जल संरक्षण को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश, निष्प्रयोज्य हेडपंप बनेंगे रिचार्ज वेल, गौशालाओं और सार्वजनिक स्थलों पर होगा वर्षा जल संचयन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन हेडपंपों से जल प्राप्ति बंद हो चुकी है रिबोर योग्य नहीं रह गए है उन्हें रेन वाटर रिचार्ज वेल में परिवर्तित किया जाए, ताकि वर्षा के जल से भूमिगत जलस्तर में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिशासी अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि इस कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि सभी होटल, बारात घर, निजी विद्यालय, शिक्षण संस्थान तथा 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित कराया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की सभी गौशालाओं में वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की जाए। गौशाला परिसर में बने शेडों के किनारों पर पाइप लाइनिंग द्वारा रिचार्ज वेल तैयार कर वर्षा के जल को संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि सोक पिट, बंधा, चेक डैम, तालाब आदि को 卐वॉटर बॉडी卐 के रूप में विकसित कर जल संरक्षण के स्थायी स्रोत तैयार किए जाएं। प्रत्येक विकास खंड में जल संरक्षण के मॉडल कार्यों की योजना बनाकर शीघ्र क्रियान्वयन किया जाए। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, विकास प्राधिकरण सचिव परमानंद यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश, जल निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री 108 विवृत सागर जी मुनिराज ने प्रवचन करते हुए सत्संग का वास्तविक अर्थ आत्मा को शुद्ध करने का मार्ग

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली आज जैन धर्मशाला में परम पूज्य वात्सल्य दिवाकर मुनि श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज ने प्रवचन करते हुए सत्संग के सही स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सत्संग का अर्थ केवल भजन गाना, ताली बजाना या नृत्य करना नहीं है। सत्संग सत्य का संग है - जिसमें मन और आत्मा पूर्णतः स्पष्ट, शुद्ध और पवित्र हों। जैसे दूध चीनी की चाशनी को निर्मल और स्वच्छ करता है, उसी प्रकार सत्संग आत्मा की मलिनता को दूर करता है। मुनिराज ने बताया कि सत्संग का आनंद अवर्णनीय है - इसे शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता, केवल अनुभव किया जा सकता है। यह तनाव और दर्द की दवाओं जैसा क्षणिक सुख नहीं देता, बल्कि जीवन और जन्म-जन्मांतर के दुखों को मिटाने की ताकत रखता है। यदि सत्संग एक बार भी सच्चे भाव से किया जाए तो वह आत्मा को उच्च अवस्था तक पहुँचा सकता है। उन्होंने कहा कि आँखें बंद करके बैठने से मिलने वाली शांति केवल शरीर की थकान को दूर कर सकती है, आत्मा का आनंद इससे नहीं मिलता। गृहस्थ जीवन में इंसान अनेक बंधनों और असत्य के वातावरण में रहता है। अदालत में सत्य बोलने की कसम लेने के बावजूद वहाँ सबसे अधिक झूठ बोला जाता है - यह उदाहरण दर्शाता है कि असत्य से बचना कितना कठिन है। हिंसा, चोरी, असत्य और परिग्रह जैसे पाप आत्मा को दूषित करते हैं। गृहस्थ इन पापों की क्षति को समझ तो सकता है, पर उनसे पूरी तरह मुक्त होना साधकों और योगीजनों का मार्ग है। गुरुदेव ने समझाया कि भरना है तो पहले खाली होना पड़ेगा। यदि आत्मा को धर्म से भरना है तो पहले पापों को छोड़ना होगा; यदि विशुद्धि अपनानी है तो अशुद्धियों को त्यागना होगा; यदि आत्मज्ञान पाना है तो इंद्रिय सुखों को छोड़ना पड़ेगा। जब तक मन नकारात्मकताओं और इच्छाओं से भरा रहेगा, आत्मिक प्रगति संभव नहीं है। नाम और प्रसिद्धि की आकांक्षा पर उन्होंने महत्वपूर्ण संदेश दिया। नाम क्षणिक है - समय के साथ लोग अपने पूर्वजों के नाम तक भूल जाते हैं। यदि सेवा केवल नाम और प्रशंसा के लिए की जाए तो उसका आध्यात्मिक उद्देश्य समाप्त हो जाता है। जब अपेक्षित सम्मान न मिले तो मन में पीड़ा उत्पन्न होती है। इसलिए सेवा केवल आत्मकल्याण की भावना से की जानी चाहिए। मुनिराज का स्पष्ट मत था - यदि साधु साधु को याद रखेगा तो पतन होगा, पर यदि श्रावक साधु को याद रखेगा तो उसका कल्याण होगा। डिजिटल माध्यम से सत्संग का लाभ लेने वालों के प्रति भी उन्होंने संदेश दिया कि यह सुविधा केवल उन लोगों के लिए है जो असमर्थ हैं, परंतु आज कई लोग इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। सत्संग में प्रत्यक्ष उपस्थिति की पवित्रता सर्वोच्च है। कार्यक्रम में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन श्री बालचंद्र जैन (कोटा) एवं श्री अजीत जैन (चंडीगढ़) द्वारा किया गया। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्री अरुण जैन गढ़ी वालों एवं सुरभि जैन-सक्षम जैन को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट लतिका जैन, रिया जैन, शगुन जैन एवं रेहा जैन द्वारा की गई। आज का आहार चर्या अजय जैन-अंजलि जैन परिवार में संपन्न हुई।

क्षेत्र में मौसम के अचानक बदलाव के खेतों भरा पानी, फसलों को भारी नुकसान किसान परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) मौसम में अचानक बदलाव आ गया और देखते ही देखते अचानक बरसात होने लगी और यह बारिश से हर क्षेत्र में पानी ही पानी नजर आने लगा अभी किसान अपने खेतों में मटर दलहन आदि की फसल को बोये हुए थे कि अचानक खेतों में लबालब पानी भर गया है और किसानों की खेतों की फसल बर्बाद हो गई और अब किसान बहुत ज्यादा परेशान है

और आखिर किसान क्या करे खेतों में बोई गई फसल अब जल मग्न हो गई और अभी भी मौसम खराब बना हुआ है यही हालत रही किसान भुखमरी की कगार पर आ गया है कोंच क्षेत्र के ग्राम परेथा चमेंड़ भदेवरा लोना सिकरी चचेड़ा कुंवरपुरा नगेपुरा तूमरा जुझारपुरा दोहर दाढ़ी अंडा पड़री भड़ारी भदारी सहित तमाम गांवों में पानी ही पानी खेतों में भर गया है और किसानों की फसलों को भारी क्षति हो गई है अभी किसान बीते समय से अधिक पानी बरसने के कारण काफी परेशान है खेतों में बिजगुडी हो गई है और किसानों का बीज खाद आदि सब खराब हो गया है और किसान कुदरत की इस मार के आगे बेबस है इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र पटेल परेथा ने बताया है कि किसान के सामने घोर संकट उत्पन्न हो गया है अब किसान क्या करे वैसे भी किसान परेशानी में जी रहा है अब उसके लिये यह ओर बड़ी समस्या है किसान अब आत्म हत्या करने पर विवश है उन्होंने सरकार से अपील की है कि जल्द से जल्द इस अति वृष्टि से लेकर किसानों के खेतों का जल्द सर्वे हो ओर उन्हें आर्थिक मुआवजा दिलाया जावे

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार जनपद में हब फॉर इंपावरमेंट ऑफ वूमेन के कर्मचारी द्वारा मोहल्ला कृष्ण नगर में मिशन शक्ति के तहत घरेलू हिंसा/दहेज उन्मूलन थीम पर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम विषय पर विस्तृत जानकारी के साथ ही साथ विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा संचालित विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या समंगला योजना, योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, वन वन स्टॉप सेंटर के बारे में व टोल फ्री नंबर 1090, 181,1098, 112 हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सभासद, महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इंपावरमेंट ऑफ वूमेन के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी की घटना का खुलासा जेवरात बरामद, चोर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती थाना नवीन मार्डन पुलिस श्रावस्ती टीम द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 01 शातिर अपराधी/चोर को चोरी गयी जेवरात के साथ गिरफ्तार किया गया है। 16 अक्टूबर को ईश्वर प्रताप वर्मा पुत्र राधेश्याम वर्मा निवासी कटरा बाजार नवीन मार्डन पुलिस थाना श्रावस्ती द्वारा स्थानीय थाना पर प्रार्थना पत्र दिया कि मध्य कटरा बाजार में स्थित ज्वैलर्स की दुकान पर आई दो अज्ञात महिलाओं को सोने के कई आभूषण दिखाने व सोने की एक जोडी बाला छुपाकर रख लेने तथा वहां से लेकर चले जाने के पश्चात वादी द्वारा सारा आभूषण वजन करके रख जाने पर वजन की मात्रा कम मिलने पर सीसीटीवी कैमरे को चेक करने पर चोरी होने की जानकारी होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दिया था, प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत किया गया था। पुलिस की गहन विवेचना व तलाश से ज्ञात हुआ कि घटना के दिन जनपद हरदोई के मोहल्ला सिकलीन टोला बेनीगंज थाना बेनीगंज पांच लोग एक स्विफ्ट कार में कटरा कस्बा में आये थे। जिसमें दो पुरुष व एक लड़की कार में बैठी थी तथा दो महिलाएं कटरा कस्बा स्थित ज्वैलरी की दु?कान पर आभूषण की खरीददारी के बहाने से दो जोड़ी स्वर्ण कान की बाली 06 जोड़ी चांदी का बिछुआ चोरी कर लेकर सभी लोग उसी कार से चले गये। विवेचना के क्रम में जनपद हरदोई में अभियुक्ता के घर पर दबिश देकर अभियुक्ता की गिरफ्तारी कर उसकी निशानदेही पर चोरी गये जेवरात में से एक सोने की बाली व दो जोड़ी चांदी का बिछुआ बरामद किया गया तथा शेष अभियुक्तों/ अभियुक्ताओं की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर गिरफ्तारी व शेष जेवरात की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है।

एसडीएम ने किया कृषि गोदाम का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा तहसील के लट्ठा पुरवा गांव में नवनिर्मित कृषि गोदाम का उपजिलाधिकारी संजय राय ने औचक निरीक्षण किया। यह गोदाम लाखों रुपये की लागत से बनाया गया है, लेकिन कथित लापरवाही के कारण अब तक इसका संचालन शुरू नहीं हो सका था। उपजिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम के संचालन में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उपजिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को तत्काल प्रभाव से गोदाम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी गोदाम पर रात्रि निवास करें, ताकि किसानों को खाद और बीज के लिए भटकना न पड़े और उन्हें सुचारू रूप से सामग्री मिल सके। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि गोदाम और उसके परिसर में साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि गोदाम को तत्काल प्रभाव से संचालित कर दिया जाए?गा।

मोहरसोप का शिव-सती धाम मंदिर विकास की राह तक रहा है - श्रद्धालुओं की आस्था के बीच बदहाली साफ झलकती है

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले के ओड़गी-बिहारपुर मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम मोहरसोप का शिव-सती धाम मंदिर आज भी क्षेत्र की आस्था का केंद्र बना हुआ है। कहा जाता है कि यह मंदिर 1980 के दशक में स्थापित हुआ था, और तभी से यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। इस मंदिर की खासियत यह है कि जब भी कोई वाहन यहां से गुजरता है, तो चालक हार्न बजाकर माता को नमन करता है। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो लोगों की गहरी श्रद्धा और विश्वास को दर्शाती है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि इतिहास और आस्था से जुड़ा

यह मंदिर बदहाली का शिकार हो चुका है। दीवारों पर पड़ी सीलन, टूटी हुई सीढ़ियां और आस-पास फैली गंदगी मंदिर की स्थिति को बयां करती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्राम पंचायत और जिला प्रशासन की ओर से आज तक किसी ने इस मंदिर के विकास या सौंदर्यीकरण की दिशा में ध्यान नहीं दिया। श्रद्धालुओं का कहना है कि हर वर्ष यहां आने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन सुविधाओं का अभाव लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। न तो यहां बैठने की कोई उचित व्यवस्था है, न ही साफ-सफाई की स्थायी व्यवस्था। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार करवाए, परिसर में लाइट, पानी और शेड की व्यवस्था की जाए, ताकि श्रद्धालु बिना असुविधा के पूजा-पाठ कर सकें। स्थानीय निवासी बताते हैं कि शिव-सती धाम मंदिर न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी क्षेत्र की पहचान है। अगर शासन-प्रशासन थोड़ी सी पहल करे, तो यह स्थल धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित हो सकता है। यह सिर्फ मंदिर नहीं, बल्कि हमारी आस्था का प्रतीक है - ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से लोग यहां मन्नत मांगने आते हैं और उनकी मुरादें भी पूरी होती हैं।

शासन प्रशासन जल्द किसानों को मुआवजा दे पं हरिओम उपाध्याय

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) अचानक बदले मौसम ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया जनपद जालौन में हुई तेज बारिश के कारण कई गांवों में खेत पूरी तरह जल मग्न हो गए हैं जिन खेतों में किसान मटर, मसूर सहित रबी की दलहनी फसलों की बुवाई कर चुके थे वे पानी में डूबने से सड़ने लगी हैं। खेतों में भरा पानी तालाब जैसा दृश्य पैदा कर रहा है जिससे किसानों की महीनों की मेहनत और हजारों रुपये की लागत बर्बाद होने के कगार पर है। ग्रामीणों के अनुसार अचानक हुई भारी वर्षा ने स्थिति गंभीर कर दी है। कई किसानों ने बताया कि उन्होंने बुआई, खाद और मजदूरी पर काफी खर्च किया था अब फसल का भविष्य अनिश्चित दिख रहा है। यदि पानी जल्द नहीं निकला तो पूरी फसल नष्ट हो सकती है जिसका सीधा असर किसानों की आय और आने वाले फसल चक्र पर पड़ेगा। मौजूदा परिस्थिति ने किसान परिवारों के सामने आर्थिक और मानसिक संकट खड़ा कर दिया है। इसी स्थिति को देखते हुए समाज वादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री पं हरिओम उपाध्याय ने गहरी चिंता व्यक्त की है उन्होंने कहा किसान की फसल केवल अन्न नहीं उसका जीवन है। उन्होंने किसान हित में जल्द शासन और प्रशासन किसानों का तुरंत सर्वे कराए और प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा प्रदान किया जावे उन्होंने कहा कि आज किसान काफी परेशान है और दुखी है

A Fusion of Elegance and Comfort: How Modern Indian Wear is Taking Shape

By adding a modern touch to traditional Indian attire, wearers now enjoy both comfort and elegance. Here, we will provide you with information on this. Today, fashion is no longer just about style; comfort has become equally important. Modern Indian wear is a symbol of this change. In fact, by incorporating modern touches into traditional Indian garments, wearers now experience both comfort and elegance. Whether it's the office, a wedding ceremony, or a casual outing, people are now opting for outfits that look classy and are easy to wear. Modern Indian wear includes lightweight fabrics, smart cuts, and trendy designs with a fashion-forward sensibility. Kurta-pants, ethnic dresses, shararas, long kurtas, or Indo-Western fusion – all these styles showcase a blend of style and comfort. Fashion brands are now focusing on collections that combine traditional Indian heritage with a modern lifestyle. In this article, we will provide you with information about this. Choosing the right fabric - Fabric is the soul of any outfit. Lightweight fabrics like cotton, linen, and georgette are not only comfortable but also perfect for both summer and office wear. Cotton and linen allow the skin to breathe and remain comfortable even after prolonged wear. Georgette fabric provides a slightly flowing texture, making the garment look light and elegant. Therefore, such fabrics are currently trending. The importance of the right cut - The cut of the garment combines style and comfort. Slim-cut outfits make the figure look sharp and toned. A-line and flared cuts are designs that allow for ease of movement and look beautiful in both casual and festive wear. Therefore, this is also taken into consideration when designing clothes. The right color palette is essential - Today, the trend is not to wear flashy, bright colors. Now, pastel and muted colors are perfect for both office and party wear. These colors look stylish and are suitable for festivals or daily wear. Indo-Western fusion is the new trend in fashion. A kurta can be paired with jeans or trousers for a casual and trendy look. Shararas or long kurtas with straight pants are also part of the Indo-Western style. These outfits are quite comfortable. Accessories – The right accessories are essential to perfect any modern outfit. Elegant earrings, bangles, belts, and delicate neckpieces can complete the look. Girls nowadays love this style.

Your Skin Reveals Your Health Status: These Small Changes Can Help Detect Diseases

The initial effects of many diseases developing in the body can be seen on the skin. If your skin is frequently dry or itchy, it could be a sign of thyroid problems or diabetes. People's unhealthy lifestyles, poor diet, and lack of physical activity have significantly increased the risk of many diseases. Consequently, chronic diseases such as diabetes, high blood pressure, heart disease, kidney problems, and thyroid disorders have become quite common. These diseases gradually weaken the body from within, and often go undetected until the situation becomes serious. This is why health experts advise everyone to get regular health checkups to detect diseases early. Doctors say that you don't always need to get tests to detect diseases. Changes in your eyes, skin, and the texture and moisture of your lips can also indicate several diseases developing inside the body. It is important to pay serious attention to these changes. Pay attention to changes in your skin - Medical reports show that the initial effects of many diseases developing in the body can be seen on the skin. If the skin is frequently dry or itchy, it could be a sign of thyroid problems or diabetes. Similarly, blue lips or skin are considered a sign of oxygen deficiency or heart disease. If you suddenly develop pimples, acne, or rashes on your face, it could indicate a hormonal imbalance or some kind of problem with the immune system. Doctors say that if unusual changes in the skin persist for a long time, do not ignore them. Early diagnosis and proper treatment can control serious diseases. Therefore, pay serious attention to the changes visible on your skin in the mirror and get treatment in time. Let's find out what kind of skin changes indicate what? Darkening or streaks on the neck - If you've noticed dark patches around your neck or armpits, it could be acanthosis nigricans, an early sign of diabetes or PCOS. Dermatologist Dr. Gurveen Waraich says that this type of darkening indicates that your body's insulin levels are fluctuating. In some cases, it is also seen as a symptom of liver-related diseases. Yellow deposits around the eyes - If you see small yellow spots around your eyes, on the upper or lower eyelids, and they are growing, get them checked in time. This is called xanthelasma. Dr. Waraich explains that this could be a sign of high cholesterol, so get your lipid profile checked and if the cholesterol level is elevated, get it treated in time. Ignoring these symptoms can invite heart diseases. Cracks at the corners of the mouth - Cuts or cracks at the corners of your lips are not just a sign of dryness. They can also be a sign of vitamin B12 or iron deficiency. These are considered essential nutrients for the body, and a deficiency in them can lead to serious illnesses. Round, coin-shaped bald patches on the scalp - If you see round patches of hair loss, it could be alopecia areata. This is often associated with stress, thyroid problems, or autoimmune diseases. Such problems should not be ignored by simply considering them as hair-related issues.

Can drinking less water increase cholesterol? Learn about the direct relationship between hydration and blood thickness.

Increased bad cholesterol in the body increases the risk of many serious diseases. There are many reasons for this increase, and one of them is insufficient water consumption. In this article, let's explore how insufficient water consumption affects our health and heart health. Our bodies are composed of approximately 70% water, so drinking less water can lead to dehydration, which can lead to numerous health problems. People often associate this problem with thirst or fatigue, but this condition can affect many other aspects of your health. It can be a serious and overlooked risk factor for heart health. According to experts, not drinking enough water increases blood thickness, which is directly linked to high cholesterol levels and heart disease. As we know, our bodies are composed of approximately 70% water, and when water is deficient, it puts pressure on the body's internal systems, especially the liver. In dehydration, the liver releases more bad cholesterol into the bloodstream to maintain blood viscosity. Furthermore, drinking less water causes dirt and fat to accumulate in the veins, impairing blood circulation. Therefore, hydration not only quenches thirst but also acts as a natural detoxifying agent in the body, playing a vital role in keeping the veins clean and controlling cholesterol. Direct impact on the heart: As water depletes, the blood thickens. This primarily affects blood flow. The heart has to work harder to pump this thickened blood throughout the body. This additional strain on the heart causes high blood pressure. Therefore, if you want to keep your heart healthy, be sure to drink 2-3 liters of water daily. Risk of heart attack: When blood thickens, it increases the likelihood of clots forming. These clots, combined with the bad cholesterol already deposited in the veins, can cause blockages in the arteries that carry blood. This blockage can eventually lead to a heart attack or brain stroke. You can easily avoid this serious risk by drinking enough water. Water is a natural detox agent: Water not only quenches thirst, it also acts as a natural cleanser for the body. Drinking adequate amounts of water easily flushes out excess fat from the blood, such as cholesterol and triglycerides. Furthermore, water keeps your blood vessels flexible and strong, maintaining better blood flow. Simple hydration rules: To protect your heart and control cholesterol, it's important to drink 8 to 10 glasses of plain water every day. In addition to plain water, you can also include unsweetened lemon water or herbal tea in your daily routine. These drinks help detoxify the body, protecting you from high cholesterol and keeping your heart healthy and strong.

Raveena Tandon Enters Suriya's Film; Fans Receive a Special Birthday Gift from the Actress; Wishes Poured in in a Special Way

On Raveena Tandon's birthday, fans received a big gift from the South Indian film industry. Find out what that special gift is! Bollywood actress Raveena Tandon is celebrating her 53rd birthday today. On this occasion, some good news has come for Raveena's fans. Raveena has joined the cast of Tamil superstar Suriya's upcoming film 'Suriya 46'. Officially announcing this, the makers welcomed Raveena and wished her a happy birthday. Makers Share Birthday Post: The film's makers wished Raveena a happy birthday on social media. They also welcomed her to the film. The makers shared a poster of Raveena with "Happy Birthday" written on it, along with a picture of her. The caption read, "Wishing the evergreen Raveena Tandon a very happy birthday from the entire team of 'Suriya 46'. We are thrilled to have you on board and eagerly await the exciting journey ahead." Suriya Started Filming in June: Earlier in June, the production house shared a poster of Suriya in a semi-formal look on the occasion of the start of filming. The caption read, "The first step towards celebration, emotion, and entertainment. 'Suriya 46' shooting begins." Since then, fans have been eagerly awaiting this film. Directed by Venky Atluri: Produced by Naga Vamsi under Sithara Entertainments, this film is directed by Venky Atluri. Currently, the film is being referred to as 'Suriya 46'. It also stars Radhika Sarathkumar and Mamitha Baiju. Now, with Raveena Tandon's entry into the film, Bollywood fans are also excited about this project.

Kriti Sanon Enjoys Fight Night in Dubai with Rumored Boyfriend, Shows Special Bonding with Varun Dhawan from 'Bhediya'

Kriti Sanon has been constantly in the headlines regarding her love life. Now, the actress has once again been spotted with her alleged boyfriend. Their pictures are going viral. Kriti Sanon is currently in the news for both professional and personal reasons. On one hand, audiences are eagerly awaiting her upcoming film 'Tere Ishq Mein'. On the other hand, the actress is also making headlines for her relationship with her alleged boyfriend, Kabir Bahia. Now, Kriti and Kabir were once again seen enjoying an event together. Actor Varun Dhawan was also present with them. Kriti Sanon shared pictures - Kriti Sanon grabbed everyone's attention at the UFC 321 event in Abu Dhabi. Here, she was enjoying a thrilling fight night with her alleged boyfriend Kabir Bahia and actor Varun Dhawan. Kriti and Kabir's photos are now going viral on social media and making headlines. Meanwhile, Kriti also shared some glimpses of the evening on her Instagram. This post has sparked discussions about her relationship status on the internet. In the pictures, Varun Dhawan is also seen with Kriti and Kabir. Kriti seen with Kabir - Kriti shared several pictures of the evening in her post. In one picture, Kriti is seen sitting between Kabir and Varun. All three are exuding a casual-cool energy. Kriti was seen in a camo jacket and baggy denims, while Kabir wore a mauve jacket over a white t-shirt and Varun wore a wine-red jacket with black pants. In another picture, Kriti and Kabir are seen smiling together, further fueling dating rumors. While in one picture, Kriti and Varun are posing for the camera. Their bonding is clearly visible. Affair rumors gain momentum - Kriti captioned her post, "Fight night energy in Abu Dhabi." I'm thrilled to see the madness of UFC 321 with these two.' Now, Kriti's post is going viral. After this post, the rumors of Kabir and Kriti's affair are once again gaining momentum. The two have been spotted together on several occasions before. Kabir was also seen at Kriti Sanon's Diwali party recently. During this time too, the closeness between Kriti and Kabir was evident. However, neither of them has yet officially confirmed their relationship. Kriti to be seen in 'Tere Ishq Mein' - Talking about her work front, Kriti Sanon will be seen in the film 'Tere Ishq Mein', which is releasing on November 28th. Directed by Anand L. Rai, Kriti will be seen opposite Dhanush in this film. Apart from this, Kriti is also currently shooting for 'Cocktail 2' with Shahid Kapoor and Rashmika Mandanna. Kriti Sanon is expected to be seen in a hot look in the film. Several pictures from the shoot have also surfaced.

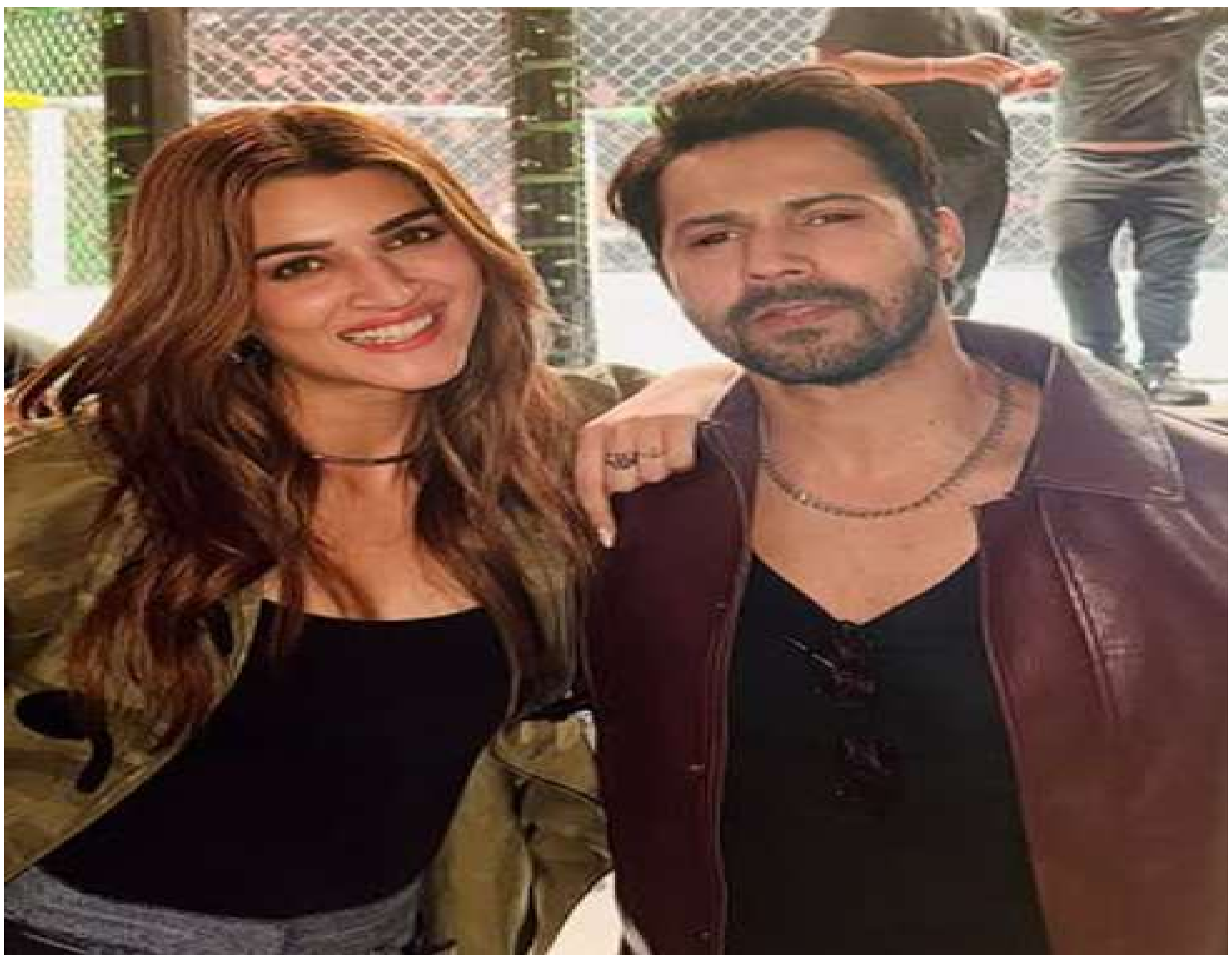

Rakhi Sawant Comes to Salman Khan's Defense, Accuses Abhinav Kashyap; Says He Must Have Been Paid to Speak Against the Actor

Recently, Abhinav Kashyap had leveled several allegations against Salman Khan. He had also criticized Aamir Khan and Shah Rukh Khan. Actress Rakhi Sawant often remains in the headlines due to her statements. She is considered a supporter of Salman Khan. Recently, director Abhinav Kashyap had made several allegations against Salman Khan. Rakhi Sawant has responded to this and criticized Abhinav Kashyap. In a recent interview, Rakhi defended Salman. She called Abhinav's claims false. Rakhi Sawant lashed out at Abhinav Kashyap. Speaking to Hindi Rush, Rakhi Sawant said, 'Wherever I see you, bald man, I will hit you with my slipper. He was the director of the Dabangg film. I don't know who he is. We won't even take his name. I won't spoil my tongue by taking that bald man's name.' Called Abhinav Kashyap a Liar Defending Salman Khan, Rakhi said, 'Bhai (Salman) neither likes kissing nor kissing scenes. He is a god on earth.' Accusing Abhinav Kashyap, Rakhi said, 'He is saying wrong things in the media, about his family. He is lying.' Must Have Been Paid to Speak Against Salman Rakhi Sawant alleged that Abhinav had started misbehaving on the set. She said, 'He had started womanizing. That's why he was removed from the project for wasting Salman's money.' She alleged that Salman's enemies must have paid him to speak against Salman. Allegations Against the Three Khans Recently, Abhinav Kashyap had alleged that Salman Khan had kidnapped his editor. He called Aamir Khan very cunning. Besides this, he said about Shah Rukh that even though he speaks well, his intentions are also not good.